राजनीतिक समाजीकरण के अभिकरण : एक अध्ययन

कमल किशोर

राजनीतिक समाजीकरण को राजनीतिकरण, राजनीतिक सहभागिता या राजनीतिक भर्ती या फिर समाजीकरण का ही पर्याय मान लेने की भ्रांति विद्यमान है। आम बोलचाल की भाषा में इन संकल्पनाओं का उलट–फेर कर प्रयोग तक किया जाता है। कुछ विद्वानों ने तो राजनीतिक समाजीकरण के संकल्पनात्मक अर्थ में इसे राजनीतिक संस्कृति के सदृश धारणा मान लेने की भूल तक की है। इसलिए हम पहले राजनीतिक समाजीकरण की इन संकल्पनाओं से समानता व भिन्नता का विवेचन करेंगे और फिर इसकी प्रकृति के संबंध में सामान्य निष्कर्ष निकालेंगे।

राजनीतिकरण का सीमित अर्थ लिया जाता है। यह महज राजनीति में व्यक्ति की रूचि का संकेतक है। इससे वह राजनीति में दीक्षित नहीं होता है बल्कि उसका राजनीतिकी तरफ रुझान व झुकाव हो जाता है। अतः व्यक्ति का राजनीति की ओर आकर्षण व रूचि ही राजनीतिकरण है।